

संख्या ७६४६/व.आ.प/ 2007-2008/देहरा/ २८१ फरवरी 2008

- सहायक निदेशक खेल कुमार यादव, हल्दानी (नेतृत्वात्) / पटी गढवाल, उत्तराखण्ड।
- जिला खेल अधिकारी, जामौर (प्रथा) / लिखितगढ़ / देहरादून/ हल्दानी / मोरोहर (जनोहर) / जालनग्नी (लखरयाग)। उत्तराखण्ड।

विषय -

जिलीय खेल 2007-2008 में बजट-प्रगति के सम्बन्ध में।
प्रारंभिक विषयक चालू विसीध पर्याय 2007-2008 में अनुदान तथा १-अधिकारी द्वारा के संबंधित 2004-ट्रैनिंग तथा कुल मंदिर-००-००-००-००-००-००-०० के अनुरूप निम्न विवरणानुसार अंतिरिक्त बजट आवंटित किया जाता है।

क्र. सं.	कार्यालय / जनपद का नाम	०३- भूतपूर्व प्रशिक्षण विभागीय तथा पहलवानों को विदेशी राहगता	०४- क्रीड़ा अभ्यास के लिये विभागीय एवं जन्म वर्ष	०५- क्रीड़ा अभ्यास का विकास	०६- प्रशिक्षण विभागीय एवं जन्म वर्ष	योग
१	२	३	४	५	६	७
१	कार्यालय, सहायक निदेशक खेल व्यवस्था (नीतिल)	-	५०००.००	२५०००.००	-	७५००.००
२	कार्यालय सहायक निदेशक खेल पाठी गढवाल	-	४०००.००	१५०००.००	-	५५००.००
३	जिला खेल कार्यालय हरिद्वार	-	-	३०००.००	४००.००	३४००.००
४	जिला खेल कार्यालय काशीपुर (रन)	-	-	८०००.००	-	८०००.००
५	जिला खेल कार्यालय लिखितगढ़	-	-	२५०००.००	-	२५०००.००
६	जिला खेल कार्यालय मोरोहर (जमोहर)	-	-	२५०००.००	-	२५०००.००
७	जिला खेल कार्यालय अमोहनी (रुद्रप्रयाग)	-	१५०००.००	-	-	१८०००.००
८	जिला खेल कार्यालय देहरादून	३०००.००	३००००.००	-	-	३३०००.००
	योग	३०००.००	३००००.००	१२८०००.००	४०००.००	४३५००.००

1. उक्त रैमित धनराशि इस प्रोटोकॉल के सभ्य लोकों की जरूर है कि नियमों में अवैतित रूपमा दब तो थाय तंत्रित रख जाए। यह यह भी रख दिया जाता है कि धनराशि का भ्राता नियमी ऐसे व्यव को करने का अधिकार नहीं देता है, विकेत यह करने के लिए एट बन्दुख या वित्तीय हत्त-पुरिता के नियमों या अन्य आदेशों के ऊपरीन व्यव करने से पूर्ण।

2. धनराशि की अवैतित रैमिती की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाए। यह में भ्रातायाता के भ्रातायाता के समय-समय पर जरूर किया गये शासनोंमें निहित नियंत्रणों का कहाह या अनुपातों सहमत अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करता आवश्यक है। ऐसे यथा ताविता की स्वीकृति जा रही है। यथा में भ्रातायाता के भ्रातायाता के समय-समय पर जरूर किया गये शासनोंमें निहित नियंत्रणों का कहाह या अनुपातों

3. यजर भ्रातुल वित्तीय हत्त-पुरिता स्टोर पर्चेज रूल्स की द्वारा अवया लेन्डर/कोटेज वित्तीय नियमों के सम्बन्ध में शासन हाथ समृद्ध-समय पर वित्तीय आदेशों का अनुपालन किया जाय।

जल्दी ही अस्त्रियों समाज इकाई के नाम हाल जायेगा।

330 वर्षों को ब्रह्म कर लिया।

विवरण एवं लिखि तदेव।

1. मारात्मेष्यकार लेखा ए इकुदारी उत्तराचान्द देवकान्दन।
2. समिक्ष खेता उत्तराचान्द शासन।
3. अपर सरिष, विस विपार उत्तराचान्द शासन।
4. वरिष्ठ कोणविकारी / कोणविकारी, हन्दनी (नेगितास) / बैरी / व्यापैक्ष नवर / विशिष्टकर / हीरीकर / घोरी / कट्टपार / दहादूर उत्तराचान्द।
5. विन अनुग्रा-3 उत्तराचान्द ग्रनन।
6. एम आई टी. चापिलय, देवकान्दन।
7. बहर राजकारणी वियोग एवं लेसार, संविधानाद, उत्तराचान्द

(आर के चतुर्वर्दी)